'विश्व परिवर्तन' की 'अंतिम वेला'

परमात्मा ने गीता में कहा है- सर्व धर्मों का परित्याग कर केवल मुझ एक की शरण में आ जाओ तो मैं तुम्हें सर्व पापों से मुक्त कर दूंगा, तुम शोक मत करो, गीता में अपने वायदें अनुसार परमात्मा इस धरा पर आ चुके हैं

सीने जगत की अनुभूति

यहां का ज्ञान हर पल मदद करता है

ब्रह्माकुमारीज संस्था का ज्ञान और यहां की कार्यशैली हर पल मदद करती है। यहां ज्ञान और परमात्म मिलन की विधि सहज ही साक्षात् ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति कराती है। मन हमेशा इसी अहसास में खोया रहना चाहता है। मुझे जब भी समय मिलता है मैं खुद को ईश्वर में लगाने का प्रयास करती हूं।

- **पूनम ढिल्लो**, फिल्म अभिनेत्री, मुंबई

... जो पाना था वो पा लिया

साकार में परमात्मा से मिलकर लगता है कि जो पाना है वो मैंने पा लिया है। मेडिटेशन से आत्मिक शांति मिलती है। परमात्मा ने जो ज्ञान दिया उससे पता चला कि हम सभी इस सृष्टि रंगमंच पर अभिनयकर्त्ता हैं और हमें अपना अभिनय खुशी से करना है। मेरे साथ शिव बाबा की शुभकामनाएं हैं।

-**ग्रेसी सिंह**, फिल्म अभिनेत्री, मुम्बई

हां, यह सत्य है शिव आ चुके हैं

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से जुड़कर मेरा पूरा जीवन ही बदल गया। यह सत्य है परमपिता परमात्मा शिव का इस धरा पर अवतरण हो चुका है। वे सहज राजयोग की शिक्षा देकर हम आत्माओं को पावन बना रहे हैं। इस मिलन के साक्षी लाखों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें हैं, जिन्होंने साक्षात् भगवान से मिलन मनाया है।

सुरेश ओबेराय, फिल्म अभिनेता, मुंबई

प्रशासनिक हस्तियां

हर पल होता परमात्मा के साथ का अहसास

हर पल परमात्मा के साथ का एहसास होता है। कभी लगता ही नहीं कि परमात्मा हममे जुदा हैं। वे हर पल मेरी मदद के लिए तैयार रहते हैं। माउंट आबू में परमात्मा एक अलग ही नई दुनिया बना रहे हैं। ये किसी अजूबे से कम नहीं है। परमात्मा से मिलने का ब्रह्माकुमारीज संस्था ही सहज और सरल रास्ता है।

- **बृजमोहन मीणा**, पूर्व मुख्य सचिव, रसद विभाग, उत्तरप्रदेश सरकार

मैंने पहचाना, परमात्मा इस धरती पर आए हैं

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान के अनुसार यह संगमयुग है। यह तो वही धरती है जहां पर अर्जुन को श्रीकृष्ण ने उपदेश दिया था। यह परम सत्य है कि वह श्रीकृष्ण की नहीं परमपिता परमात्मा की गीता थी। परमात्मा इस धरती पर आ चुके हैं, मैंने आज पहचाना हैं। मैं पुन: इस मिट्टी का, इस मिशन का धन्यवाद करती हूं।

- **सुमन मंजिरी**, आईजी, हरियाणा पुलिस

वो अव्यक्त आवाज आज भी रोमांचित कर देती है

इतना उच्च कोटि का ज्ञान सिर्फ स्वयं परमात्मा ही दे सकते हैं। परमात्मा पिता से मिलन की अनुभूति शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है। यह सत्य है जिसे हम ढूंढ रहे हैं वो यहां आए हुए हैं। मेरा मनुष्य जीवन सफल हो गया। बाबा से मिलन की वो अव्यक्त आवाज अब भी याद आते ही अंदर से रोमांचित कर देती है।

- **देवव्रता दास**, सह सचिव, नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली

ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है यह ज्ञान

1992 में मैं संस्था संपर्क मे आया और मेरे मन में जो भी उलझनें थीं वो सब मिट गईं। वैज्ञानिक होने के नाते हर चीज पर विश्वास करना असम्भव होता है। परन्तु परमात्मा के सान्निध्य में आते ही सब कुछ स्पष्ट हो गया। परमात्मा से मिलना जीवन का सबसे अमूल्य क्षण है।

- **संजीव कुमार साहू**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली

हाँ, हो रहा है आत्मा परमात्मा का मिलन

यह सुनने में अजीब लगता है कि परमात्मा और आत्मा का मिलन हो रहा है। परन्तु यह सच है। जो शास्त्रों में भगवान ने अपने आने के लक्षण बताये थे वह सब सामने है। यह वही समय है जब परमात्मा इस सृष्टि पर आत्माओं के मिलन कर रहे है। आने वाली दुनिया नई होगी जिसकी स्थापना हो रही है।

राकेश मेहता, वरिष्ठ आईएएस एवं अध्यक्ष, चुनाव आयोग, दिल्ली एवं चण्डीगढ, दिल्ली

स्वयं ईश्वर से आमने-सामने हुई मुलाकात

मैंने शास्त्र, ग्रंथ आदि बहुत पढ़े थे, लेकिन परमात्मा से मिलन नहीं हो पाया था। जब माउण्ट आबू में पहली बार शिव बाबा से आमने-सामने मिलन हुआ तो मेरे सब सवाल खत्म हो गए। वो गहन शांति की अनुभूति मेरे मन को मौन कर गई। आज जिस भगवान को बड़े-बड़े विद्वान, साधु तपस्या कर रहे हैं, वो गुप्त रूप में यहां अपना कार्य कर रहे हैं।

- **पुरुषोतम तिवारी**, पूर्व डीआईजी, भारतीय सीमा सुरक्षा बल, आबू रोड

सर्व धर्मान्परित्यज्य, मामे कंशरणं व्रज।
अहं त्वा सर्वपापेभ्यो, मोक्षयिष्यामि मा शुचः।।

सार: सर्व धर्मों का परित्याग कर केवल मुझ एक की ही शरण में आ जाओ तो मैं तुम्हें सर्व पापों से मुक्त कर दूंगा, तुम शोक मत करो।

जिसका वर्णन गीता में है वह भगवान शिव का ही वर्णन है। आज प्रत्येक मनुष्य से कुछ ना कुछ कर्म विकर्म होते रहते है क्योंकि इस आसुरी दुनिया में रावण का साम्राज्य है। हर मनुष्यात्मा अपने विकर्मों की वजह इतना बोझिल हो चुकी है कि उसमें मानवीयता, अपने-पराये, भाई चारा का नामोनिशान नहीं है। चारो तरह हाहाकार, अत्याचार, पापाचार, आतंकवाद, अश्लीलता तथा प्राकृतिक आपदायें आदि सारी चीजे एक साथ अपने रौद्र रूप में प्रदर्शन कर रही है। आसुरी प्रवृत्ति धारण कर चुका मनुष्य तो एक-दूसरे के खून का इतना प्यासा हो गया कि उसे रिंचक मात्र भी अपने कर्मों पर अफसोस नहीं होता।

कहते है कि जब किसी चीज की आदि हो जाती है तो उसका अन्त भी स्वाभाविक है। यह वहीं समय है जब धर्म का विनाश हो चुका है। लोग अपने विकर्मों को समाप्त करने के लिए मंदिरों, मस्जिदों, साधूओं, सन्यासियों के साथ- साथ गंगा स्नान में दिन रात लगे हुए है। ऐसे समय में परमात्मा स्वयं इस सृष्टि पर आ चुके है और सर्व मनुष्यात्माओं को पापों से मुक्ति

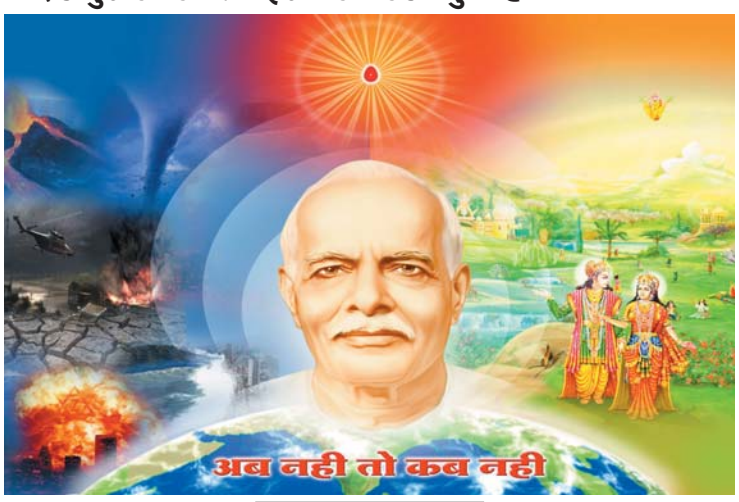

दिलाने और श्रेष्ठ भाग्य का अधिकारी बनाने के लिए ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की शिक्षा दे रहे है। यह सत्य है। यही वह समय जब पूरा विश्व बदलाव के लिए तैयार है। समाज को चलाने वाली सभी सत्तायें हिल रही है। मूल्यों का पतन अपने न्यूनतम स्तर पर है। सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पवित्रता की मर्यादा वाले रिश्ते भाई-बहन, बाप-बेटी जैसे सम्बन्ध में कलंकित हो रहे है। प्राकृतिक तांडव अपने विकराल रूप में पूरे संसार को समाहित करने के लिए तैयार है। ऐसे में परमात्मा के द्वारा दिये जा रहे राजयोग ध्यान और उनके सान्निध्य में हम जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं। अभी नहीं तो कभी नहीं।

गीता के सिद्धांतों का उद्देश्य मनुष्य का आचरण महान बनाना

गीता में लिखे दार्शनिक सिद्धांतों के पीछे वास्तव में मनुष्य के आचरण को महान बनाने का लक्ष्य है। वे दार्शनिक तथ्य बौद्धिक विलास के लिए नहीं, बल्कि संस्कारों की शुद्धि, विचारों की सात्विकता और आचार की महानता के लिए हैं। दर्शनशास्त्र में किसी सिद्धांत के प्रतिपादन के लिए तर्क व युक्ति की शैली को अपनाया जाता है, जबकि गीता में मधुरता, स्नेह व कल्याण की भावना से सत्यों का बोध कराते हुए उनका संबंध आचरण से जोड़ा गया है।

स्वयं को परमज्योति को कर दें अर्पण

परमात्मा को न जानने के कारण आज के लोग अनेक मत-मतांतर के चक्कर में पड़े हैं। धर्मकलह, कर्मकलह में लगे है। दुर्गुण, दुःख, दुविधा में जकड़े हुए हैं। हम अपने-अपने संकुचित देह के धर्मों को छोड़ प्रकाशरूप परमज्योति स्वरूप परमात्मा के प्रति अर्पित होंगे, तो सभी पापों से, सर्व जीवन बंधनों से, अशांति से मुक्त होंगे। जिसके लिए हमने जन्म- जन्मान्तर भक्ति की है, वही परमपिता, परमात्मा शिव आ चुके हैं। वह साधारण मानव के परिवर्तन के साथ विश्व का भी परिवर्तन करने का कार्य कर रहे हैं। वही हमारे आत्मा के पिता और सद्गुरु भी हैं।

मेडिटेशनः आत्मा का परमात्मा से मंगल मिलन का जरिया है 'राजयोग'

आप भी मना सकते हैं परमात्मा से मिलन

शिव आमंत्रण ■ आबू रोड

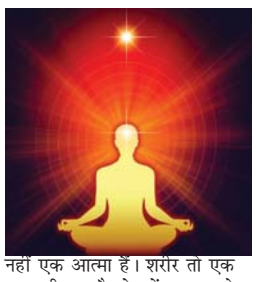

यह सत्य है कि आप भी परमपिता शिव परमात्मा से मंगल मिलन मना सकते हैं। इसके लिए न तो गाड़ी चाहिए और न घोड़ा है। बस जरूरत है तो नए परिवर्तन की ओर पहल करने की।

राजयोग मेडिटेशन वह माध्यम जिसके जरिए हम स्वयं को आत्मा समझ परमात्मा से मन के तार द्वारा मिलन मना सकते हैं। यह विधि बहुत ही सरल और आसान है। इसके अलावा आपको इसे सीखने के लिए न रुपए खर्च करने की जरूरत है और न ही घर बार छोड़ने की। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सेवाकेंद्र पर जाकर आप परमात्मा से मंगल मिलन मनाने की इस विधि को बिना कोई शुल्क दिए सीख सकते हैं।

यह सच है कि आप और हम देह नहीं एक आत्मा हैं। शरीर तो एक वस्त्र की तरह है जो हमें परमात्मा ने कर्म करने के लिए दिया है। जब आत्मा शरीर से निकल जाती है तो पांच तत्वों से बना यह शरीर इसी पृथ्वी लोक पर पांच तत्वों (जल, अग्नि, आकाश, जमीन और वायु) में समा जाता है। आत्मा और परमात्मा का स्वरूप एक जैसा ज्योतिर्बिन्दु है। परमात्मा ही आत्मा के वास्तविक पिता हैं।

खुद को कर दें शिव को अर्पण

हमने जन्म- जन्म शिव की प्राप्ति के लिए प्रार्थना की है। अब उसके प्रत्यक्ष प्राप्ति का समय है। इस संसार को फिर से पावन और सुखी बनाने के लिए परमपिता शिव प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित होकर ज्ञानामृत पिला रहे हैं और सहज राजयोग सिखा रहे हैं। उनकी आज्ञानुसार शिव अर्पण होकर हम ज्ञानसेवा करेंगे, तो उसका फल मुक्ति -जीवनमुक्ति के रूप में मिलेगा। इसे ही सच्चा पाशुपत व्रत कहते हैं। वास्तव मे शिवरात्रि केवल एक दिन नहीं होती बल्कि जब तक शिव परमात्मा इस अज्ञान रात्रि में अपना कर्तव्य कर रहे हैं, यह सारा समय ही शिवरात्रि है। इस समय यदि मनुष्य आत्मा ईश्वरीय ज्ञान धारण कर और परमपिता से योग लगाकर जीवन का जागरण करती है तो फलस्वरूप उसे नई दुनिया में जाने का पारितोष मिलता है।

इस ज्ञान से लोगों के जीवन में बदलाव आया है

शिवबाबा नई दुनिया बना रहे इसमें कोई शक नहीं है। शिवबाबा जो ज्ञान दे रहें है, उससे लोगों के जीवन में जो बदलाव आ रहा है वह आश्चर्यजनक है। आज पूरे विश्व में हर प्रकार के और अनेक सोच वाले लोग इस अभियान का हिस्सा हैं। राजयोग के नियमित अभ्यास से आपका जीवन भी खुशियों से भर जाएगा।

- **ब्रह्माकुमारी शिवानी**, जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ, गुडगांव

हर क्षेत्र की हस्तियों ने कहा : यहां चल रहा विश्व परिवर्तन का कार्य

नई दुनिया बनाने का उद्देश्य

यहां जो विद्या सिखाई जाती है वो समाज के लिए महत्वपूर्ण है। जब तक लोगों को यह मालूम नहीं होगा कि मैं कौन हूं, कहां से आया हूं और कहां जाना है, तब तक बुराइयों को नहीं रोका जा सकेगा। इस विश्व विद्यालय का उद्देश्य एक नया समाज और नई दुनिया बनाने का है, जिसमें यह जरूर सफल होगा।

- **अन्ना हजारे**, समाजसेवी, रालेगण सिद्धी, महाराष्ट्र

यहां ईश्वर ने स्वर्ग बसाया है

जिस स्वर्ग की कल्पना हम करते हैं वह परमात्मा ने यहां आबू की वादियों में बसाया है। यह सत्य ज्ञान मनुष्य को देवता बनाने वाला है। शिव बाबा के ज्ञान से मेरी जिंदगी से क्रोध, नफरत आदि बुराइयां स्वत: ही खत्म होती जा रही हैं। दुनिया को स्वर्ग बनते समय ही नहीं लगेगा।

- **राजेश राजोरे**, संपादक, देशोन्नति समाचार पत्र, बुलडाणा, महाराष्ट्र

भगवान का हाथ सदा मेरे सिर पर है

मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो मुझे भगवान मिल गए। परमात्मा की याद से उनकी सर्वशक्तियां अपने अंदर प्रवेश करती हुई अनुभव करती हूं। उनका वरदानी हाथ मेरे सिर पर सदा ही अनुभव होता है। परमात्मा के साथ ने मुझमें सत्यता, निर्भयता और आत्मविश्वास भर दिया।

- **अनेटा लॉज**, को-ऑर्डिनेटर, शोध एवं विकास इंडिया वन सोलार थर्मल पॉवर प्लांट, पोलैंड

विश्व परिवर्तन असंभव नहीं

यही वह स्थान है जहाँ से परमात्मा पूरे विश्व को बदलने का कार्य कर रहा है। यहां आने से जीवन में नए मोड़ का अनुभव होता है। हृदय आध्यात्मिकता के रंग मे पूरी तरह से रंग जाता और तनाव से मुक्ति मिल जाती है। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के संकल्प को साकार करना भले ही कठिन हो, लेकिन असंभव नही।

- **राजसदोष**, अध्यक्ष, लेखक परिषद, अबोहर, पंजाब

हां, मैंने परमात्मा को देखा है

मैंने अपनी आंखों से दादी के तन में अवतरित उस सर्वोच्च सत्ता का अनुभव किया है। उस समय मुझे वो चेहरा याद आने लगा जो मैंने बहुत पहले बचपन में साक्षात्कार किया था। तभी मेरे दिल से आवाज आई यही हैं परमात्मा। मैंने उसी समय ये प्रतिज्ञा कर ली कि मैं भगवान की ही होकर रहूंगी।

- **डॉ. उषा किरण**, विभागाध्यक्ष, हृदय रोग आयुर्विज्ञान विज्ञान संस्थान, दिल्ली

प्रभु प्रेमी बनो, सब मिल जाएगा

माऊण्ट आबू (मधुबन) में जो भी आता है, बदल जाता है। यह कार्य कोई इंसान का नहीं है। उठते ही हल्कापन लगता है। अलग उड़ान होती है। इसे शब्दों में नहीं बता सकते। इंद्रियां शांत हो जाती हैं। एक ही परिवार लगता है। जातपात के सब लेबल निकल जाते है। प्रभु प्रेमी बनो, सबकुछ मिल जाएगा।

- **शिराज रंगवाला**, टीवी आर्टिस्ट व रंगमंच कलाकार, अहमदाबाद

अपना पसंदीदा चैनल पीस ऑफ माइंड देखिएः
टाटा स्काईः 192 एअरटेलः 686 विडियोकॉनः 497 रिलायंसः 171 सम्पर्क करेंः 8104777111

जानी- मानी हस्तियों के विचार

मूल्यनिष्ठ राजनीति के लिए राजयोग

परमात्मा के सब हैं, यही सत्य है

जब मैंने ध्यान शुरू किया तो बहुत ही अच्छी अनुभूति हुई। यह अनुभूति मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बन गई। वह मेरे जीवन का सबसे शुभ दिन था। पूरा विश्व ही एक परिवार है। जनता की सेवा करने में यह शक्ति और अनुभव काम आएगा। परमात्मा के सब हैं, यही सत्य है। इसके अलावा और कोई अस्तित्व ही नहीं है। सभी लोगों को शिवबाबा का ज्ञान लेकर अपने जीवन को सुखी बनाना चाहिए।

- **शिवराज सिंह चौहान**, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

माउंट आबू में मैं भगवान से मिला हूं

पहली दफा परमात्मा से मिलन मनाने का अनुभव दादी हृदयमोहिनी जी के माध्यम से हुआ। ये मिलन अनोखा था। मैं भगवान से मिला, तब मुझे भगवान ने वरदान दिया। इस मिलन से आंतरिक सुख की अनुभूति हुई। मेरा मन अब भी बार-बार उस अनुभव में खो जाता है। मुझे पूर्ण विश्वास हो गया कि हम सब उस एक परमपिता की संतान हैं और वो इस धरा पर आ चुके हैं। सृष्टि परिवर्तन का यह कार्य कोई आम इंसान नहीं कर सकत है।

- **अरुण शर्मा**, पूर्व सांसद, आसाम

भगवान को देखा तकदीर बनाते

पहले मैं बहुत शराब व अन्य नशे का अति सेवन करता था। सन् 2001 में इस संस्थान के संपर्क में आने के बाद मुझे महसूस हुआ कि अब ईश्वर का सत्य ज्ञान और सान्निध्य मिल गया है। इस ज्ञान से मेरे सभी प्रश्नों का समाधान हो गया और मेरी वर्षों से भगवान को पाने की तलाश पूरी हो गई। आज मेरी जिंदगी सुखमय और आनंदमय बन गई है। यह सच है मैंने खुद भगवान को लोगों की तकदीर बनाते देखा है।

सौदागर गंगाराम, पूर्व विधायक, जिला निजामाबाद

न्यायाविद् विभूतियां

अपने पिता से मिलना सुखद अनुभूति

हां, मैं ईश्वर से साक्षात् मिला हूं। वह ईश्वर के साथ मेरे पिता है। अपने परमपिता परमात्मा से मिलना एक सुखद अनुभूति है। यह शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। इस पुरानी दुनिया को बदलने के लिए परमात्मा इस सृष्टि पर अवतरित होकर नयी दुनिया बना रहे है यह सच है। सभी मनुष्यात्माओं को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

- **एम वी रमेश**, रजिस्टार, सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट), दिल्ली।

मन से नित्य होता है परमात्मा से मिलन

रूहानी प्यार केवल भगवान से ही मिलता है। इसकी तुलना में हर संसारिक चीज छोटी लगती हैं। जब से शिव बाबा से साकार में मिलन हुआ है ये परिवर्तन इतना सहज हो रहा है जैसे रात के बाद सवेरा होता है। परमात्मा ने हमें हीरा बना दिया। राजयोग द्वारा मन से परमात्म मिलन नित्य होता है। न्यायिक प्रक्रिया के दौरान स्वयं भगवान की जो मदद मिलती है वो अकथनीय है।

- **कविता मिश्रा**, विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आगरा, उत्तर प्रदेश

ध्यान लगाने से मन को मिलती है शांति

पवित्रता, सत्य का आचरण, भाईचारा, जीवन में शांति की वृत्ति को जागृत करना, मन को स्थिरता देने का प्रयास करना, यह बातें यहां बहुत अच्छी लगती हैं। यहां आकर ध्यान लगाने से मन को शांति का अनुभव होता है। समाज का विकास हो, सद्गुण हों, इसके लिए संस्था का जो प्रयास है वह सराहनीय है। परमात्मा का यह कार्य तेजी से बढ़ रहा है इससे पूरे विश्व में बदलाव होगा।

- **सर्वेश कुमार गुप्ता**, न्यायमूर्ति , उच्च न्यायालय, उत्तराखंड

यह ज्ञान एक परमात्मा ही दे सकते हैं

मैंने बचपन से बहुत भक्ति की, बड़े होकर गुरु बनाएं, लेकिन ईश्वर को जानने की इच्छा अधूरी ही रही। ब्रह्माकुमारी संस्था में जो ज्ञान मिला, उसमें मेरे सभी प्रश्नों का समाधान हो गया। यहां व्यक्ति के मानसिक विचार शक्ति को शक्तिशाली बनाने पर जोर दिया जाता है। इससे हम अपना जीवन जैसा चाहें, वैसा बना सकते हैं। यहां दिया जा रहा अद्भुत ज्ञान किसी ईंसान का नहीं हो सकता। इसे सिर्फ एक परमपिता परमात्मा ही दे सकते हैं।

अभय कुमार वाजपेयी, विशेष सचिव, राष्ट्रीय एकीकरण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संपर्क करें-

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के लिए प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। **सलाहकार संपादक:** प्रो. कमल दीक्षित
संपादक: ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। RNI NO. - RJHIN/2013/53539, Postal Regd. - RJ/SRO/9662/2015-2017
Posting on 18 & 20 of Every Month only at shantivan Sub-Post Office, Abu Road, Raj - 307510

पत्र व्यवहार का पता
संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस
शांतिवन, तलहटी, आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही,
मो. 9413384884, 8769830661 ईमेल: bkkomal@gmail.com